हिन्दी

(दूर्वा)(पाठ 27)(व्यर्थ की शंका)
(कक्षा 6)

प्रश्न 1:
नीचे दिए गए कथन किसके हैं ?

उत्तर 1:

1. तू तो मेरा राजा बेटा है।
1. आदमी ने

2. सुनो..., मैं पानी लेने जा रही हूँ।
2. औरत ने

3. अपनी बहन का ध्यान रखना।
3. आदमी ने

4. माँ मुझ पर बहुत प्रसन्न होगी।
4. नेवले ने

5. हाय! हाय! यह मैंने क्या कर डाला।
5. औरत ने

6. कोई भी काम सोच–समझकर ही करना चाहिए ।
6. आदमी ने

प्रश्न 2:
प्रश्नों के उत्तर दो

उत्तर 2:

1. स्त्री के मन में नेवले के बारे में क्या संदेह था ?
1. स्त्री के मन में संदेह था कि नेवला उसकी बेटी से जलता है

2. पति ने पत्नी को नेवले के बारे में क्या समझाया?
2. पति ने पत्नी को समझाया कि नेवला और बेटी दोनों ही हमारी संताने है

3. जब साँप बच्ची के पालने की ओर आता दिखा तो नेवले ने क्या किया ?
3. जब साँप बच्ची के पालने की ओर आता दिखा तो नेवले ने उस पर प्रहार किया और उसके टुकड़े–टुकड़े कर डाले ।

4. स्त्री फूट–फूटकर क्यों रोने लगी ?
4. स्त्री फूट–फूटकर इसलिए रोने लगी क्योंकि उसने बिना सोचे–समझे ही नेवले पर प्रहार कर उसे मार डाला था ।

5. दंपति, नेवले को जीवन भर क्यों नहीं भूल पाए ?

5. दंपति, नेवले की निष्ठा और कर्तव्य के कारण उसको जीवन भर नहीं भूल पाए।